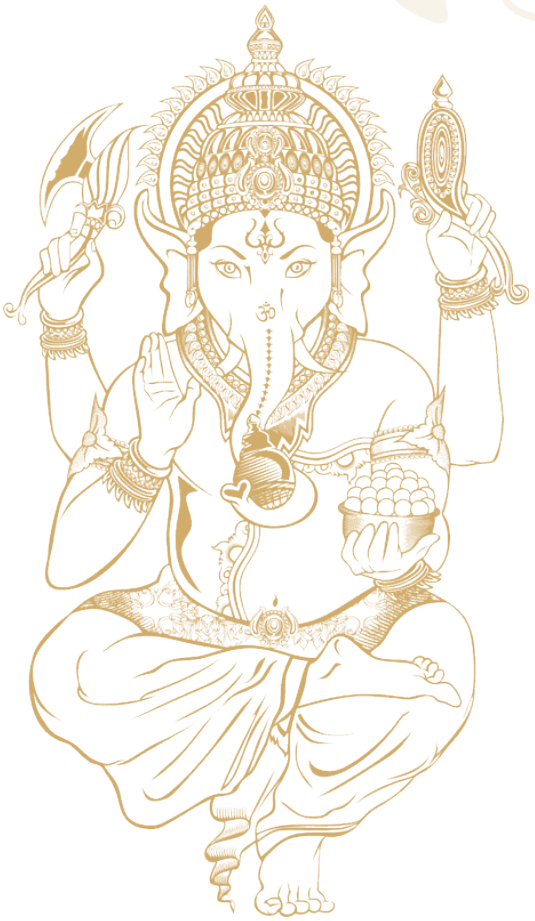

Mr.

06 May 2010

09:35 AM

Hardwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121843802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/05/2010**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**09:35:00 घंटे**
इष्ट	10:10:03 घटी
स्थान	**Hardwar**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:58:00 उत्तर
रेखांश	78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:17:36 घंटे
वेलान्तर	00:03:22 घंटे
साम्पातिक काल	00:13:15 घंटे
सूर्योदय	05:30:58 घंटे
सूर्यास्त	18:57:34 घंटे
दिनमान	13:26:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:31:58 मेष
लग्न के अंश	21:47:20 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शुक्ल
करण	बालव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खो-खोकरन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	21:47:20	312:00:50	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	---
सूर्य			मेष	21:31:58	00:58:07	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
चंद्र			मक	21:27:30	11:50:08	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			कर्क	20:38:51	00:25:35	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	नीच राशि
बुध	व	अ	मेष	09:54:28	00:25:17	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
गुरु			मीन	00:47:58	00:11:38	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	स्वराशि
शुक्र			वृष	19:17:24	01:12:33	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	स्वराशि
शनि	व		कन्या	04:19:59	00:02:25	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु			धनु	19:44:53	00:00:03	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	नीच राशि
केतु			मिथु	19:44:53	00:00:03	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	नीच राशि
हर्ष			मीन	05:11:06	00:02:36	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
नेप			कुंभ	04:31:08	00:00:50	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो	व		धनु	11:12:06	00:00:51	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
दशम भाव			मीन	09:36:20	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:21

लग्न-चलित

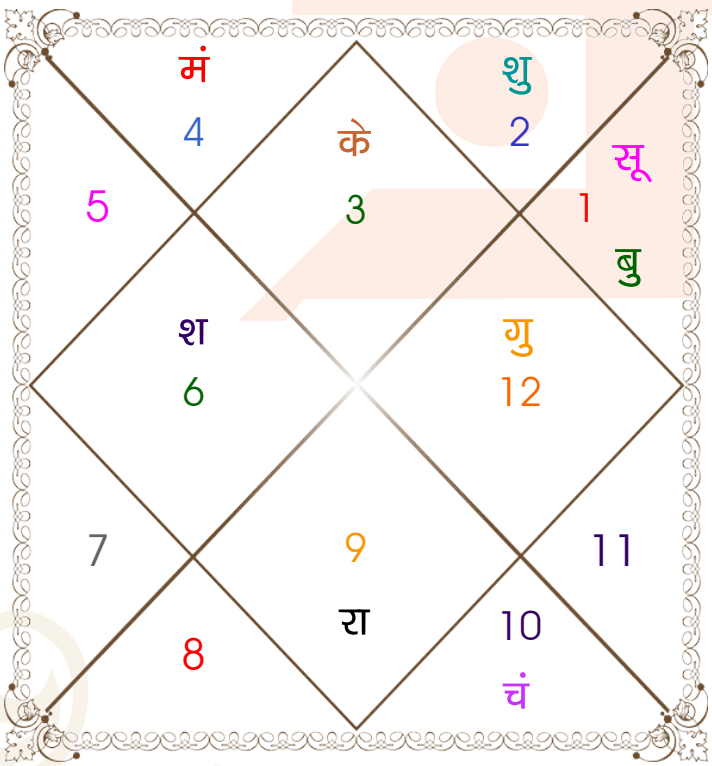

चन्द्र कुंडली

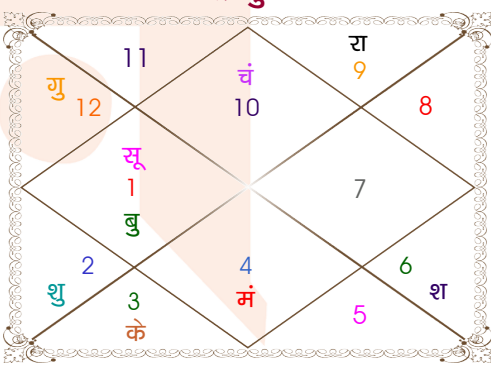

नवमांश कुंडली

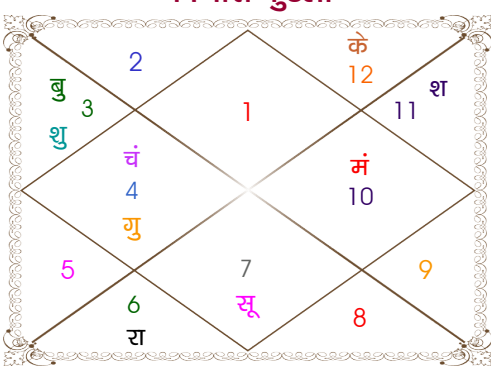

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 4 मास 26 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
06/05/2010		02/10/2011		01/10/2018		01/10/2036		01/10/2052	
02/10/2011		01/10/2018		01/10/2036		01/10/2052		02/10/2071	
	00/00/0000	मंगल	28/02/2012	राहु	13/06/2021	गुरु	19/11/2038	शनि	05/10/2055
	00/00/0000	राहु	17/03/2013	गुरु	07/11/2023	शनि	01/06/2041	बुध	14/06/2058
	00/00/0000	गुरु	21/02/2014	शनि	13/09/2026	बुध	07/09/2043	केतु	23/07/2059
	00/00/0000	शनि	02/04/2015	बुध	01/04/2029	केतु	13/08/2044	शुक्र	22/09/2062
	00/00/0000	बुध	29/03/2016	केतु	20/04/2030	शुक्र	14/04/2047	सूर्य	04/09/2063
	00/00/0000	केतु	25/08/2016	शुक्र	20/04/2033	सूर्य	31/01/2048	चंद्र	04/04/2065
	06/05/2010	शुक्र	25/10/2017	सूर्य	14/03/2034	चंद्र	01/06/2049	मंगल	14/05/2066
शुक्र	02/04/2011	सूर्य	02/03/2018	चंद्र	13/09/2035	मंगल	08/05/2050	राहु	20/03/2069
सूर्य	02/10/2011	चंद्र	01/10/2018	मंगल	01/10/2036	राहु	01/10/2052	गुरु	02/10/2071

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
02/10/2071		01/10/2088		02/10/2095		03/10/2115		02/10/2121	
01/10/2088		02/10/2095		03/10/2115		02/10/2121		00/00/0000	
बुध	27/02/2074	केतु	27/02/2089	शुक्र	31/01/2099	सूर्य	20/01/2116	चंद्र	02/08/2122
केतु	24/02/2075	शुक्र	29/04/2090	सूर्य	31/01/2100	चंद्र	21/07/2116	मंगल	03/03/2123
शुक्र	25/12/2077	सूर्य	04/09/2090	चंद्र	02/10/2101	मंगल	26/11/2116	राहु	01/09/2124
सूर्य	01/11/2078	चंद्र	05/04/2091	मंगल	02/12/2102	राहु	20/10/2117	गुरु	01/01/2126
चंद्र	01/04/2080	मंगल	01/09/2091	राहु	02/12/2105	गुरु	08/08/2118	शनि	03/08/2127
मंगल	29/03/2081	राहु	19/09/2092	गुरु	02/08/2108	शनि	21/07/2119	बुध	01/01/2129
राहु	17/10/2083	गुरु	25/08/2093	शनि	03/10/2111	बुध	27/05/2120	केतु	02/08/2129
गुरु	22/01/2086	शनि	04/10/2094	बुध	02/08/2114	केतु	02/10/2120	शुक्र	07/05/2130
शनि	01/10/2088	बुध	02/10/2095	केतु	03/10/2115	शुक्र	02/10/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 4 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के प्रथम चरण में मिथुन लग्न में हुआ था। मिथुन लग्नोदय के साथ-साथ मेष का नवांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म के प्रभाव से यह सुनिश्चित होता है कि आपका जीवन आरामदायक एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। मुख्यतः आपके जीवन का स्वर्णीम काल आपकी आयु के पचीसवें वर्ष से प्रारंभ होगा। आपके जन्म की आकृति निःसंदेह रूप से आपके अनुकूल है। परंतु इसका अर्थ यह नही है कि आप पिछली कतार में आबद्ध होकर, सुगमता पूर्वक उपलब्धियां प्राप्त कर लें। अर्थात् कुछ भी प्राप्त करना आसान नही है। आशा की जाती है कि आप जिस वस्तु को प्राप्त करना चाहते हैं उस वस्तु अर्थात् आपकी अपेक्षा का लाभ स्वतः यंत्रवत् प्राप्त कर लेंगे। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु परिश्रम करना स्थगित कर देंगे तो आपका लक्ष्य असफल हो जाएगा। यदि आप समस्याओं के साथ संघर्ष करेंगे तो निश्चित सफलता मिलेगी।

मिथुन लग्न राशि के प्रभाव से ज्ञात हो रहा है कि आप चंचल बुद्धि के प्राणी हैं। आप जो कुछ भी लाभांश प्राप्त करना चाहते हैं, उसकी प्राप्ति हेतु प्रायः आप अपने काम व्यवसाय को निश्चित रूप से बदल सकते हैं। यदि आप अपने जीवन में सफल होकर उन्नति करना चाहते हैं तो सोच समझ कर प्रस्तुत कार्य-व्यवसाय को पूरा कर लें कार्य करने के लिए कोई बीच का रास्ते बिना निकाले कार्य संपन्न करने की योग्यता आप में विद्यमान है तथा आप ऐसा कर सकते हैं।

आपकी महान संपत्ति आपकी बड़ी अभिलाषाओं की पूर्ति नहीं करेगा। यदि आप में मानवीय गुण का अभाव है। आप कुछ धन या वस्तु प्राप्त कर संतुष्ट हो जाते हो कार्य चाहे छोटा ही क्यों न हो। आप अन्य लोगों के प्रति समर्पित भाव तथा अपनी योजना को सुनिश्चित करने के लिए सहयोगात्मक प्रवृत्ति से युक्त आपकी मनोवृत्ति मिलनसार है तथा आपका जीवन धन एवं प्रसन्नता युक्त रहेगा। आप प्रर्याप्त मात्रा में पर्यटन का सुअवसर प्राप्त करते हो। इस कारण वश आपके नये-नये मित्र बन जाते हैं। वे लोग आपकी सहायता करेंगे।

आपका एक शांतिपूर्ण भवन होगा। जहां निवास कर आप अपनी पत्नी एवं संतान के साथ आनंद पूर्वक जीवन बिताएंगे। परंतु आपका परिवार आपके आदान-प्रदान से संबंधित अनुभव करेंगे कि आप अपने जीवन संगिनी के प्रति किस हद तक समर्पित हैं। अन्य स्त्री के प्रति आपका आकर्षण तथा आप काम वासना के प्रति लुभाने वाले तथा विचलित हो जाने वाले व्यक्ति हैं। आपके प्रति विपरीत योनि के लोग आकर्षित हो जाते हैं। क्योंकि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य तथा आपकी आंखें आकर्षक हैं। बल्कि आप लंबे-सीधे एवं लंबे पैरों से युक्त हैं।

आप अतिशीघ्रता पूर्वक उच्च सफलता के शिखर पर पहुंच सकते हैं यदि आप लेखन कार्य पत्रकारिता अथवा पुस्तक प्रकाशन, ज्योतिषीय कार्य, शिक्षण कार्य अथवा न्यायिक कार्य, अर्थात् वकालत पेशे से संबंधित हो जाएं। आप स्वस्थ्य एवं आनंदित रहेंगे। परंतु आप बवासीर, उदर संबंधित असामान्यता तथा श्वांस नली संबंधित रोग से ग्रसित हो सकते हैं। अतः आप शीघ्रता पूर्वक वैकल्पिक सावधानी बरते। आपके लिए अनुकूल एवं मनभावन रंग सफेद हैं

परंतु यह आपको अनुकूलता प्रदान नहीं करता। आपके लिए पीला, गुलाबी, बैंगनी, नीला एवं हरा रंग अभिष्ट है। आप अपनी मनोवृति को सफेद रंग के प्रति बदल दें तथा लाल एवं काले रंग का पत्यिाग करें।

आपके लिए अनुकूल एवं स्पंदित अंक 7 एवं 3 अंक है परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।